पाठ्यक्रम का शीर्षक : प्राचीन भारतीय परम्पराओं में नैतिकता और मूल्य

(Course Title – Ethics and Values in Ancient Indian Traditions)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- जीवन और उसके उद्देश्य पर विमर्श से सम्बन्धित समृद्ध सांस्कृतिक परम्पराओं तथा नीतिगत और नैतिक औचित्य से सम्बन्धित मूल्यों की स्थापना को समझना।
- छात्रों को देश की पूर्व परम्पराओं से और अधिक सम्बद्ध करना।
- छात्रों को प्रारम्भिक महाकाव्य - पौराणिक, बौद्ध और अन्य परम्पराओं से सम्बद्ध - से परिचित कराना।

सीखने के परिणाम:

- छात्र स्वदेशी दर्शन की सामान्य समझ विकसित कर सकेंगे।
- भारतीय विरासत की समृद्धि को समझना अधिक संवेदनशीलता की ओर ले जाता है।
- समसामयिक मुद्दों से निपटने के लिए इतिहास से प्रेरणा।
- विविधता, विमर्श, वाद-विवाद (शास्त्रार्थ) और ज्ञान-हस्तांतरण की परम्पराओं की सराहना।

'प्राचीन भारतीय परम्पराओं में नैतिकता और मूल्य' का पाठ्यक्रम

यूनिट - I भारत और इंडिया की अवधारणा 1. 'जम्बूद्वीप'; 'आर्यावर्त'; 'भारत'; इंडिया 2. नैतिक व्यवस्था पर प्रारम्भिक विमर्श - वैदिक परम्पराओं में 'ऋत' 3. उपनिषदों और श्रमण परम्पराओं में 'वाद-विवाद'
यूनिट - II राज्य, समाज और धर्म 1. राजत्व (Kingship) और समाज : धर्म, नीति और दण्ड 2. राष्ट्र, संस्कार और सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश का निर्माण
यूनिट - III ग्रन्थों में 'जीवन का उद्देश्य' 1. 'सदाचरण' : बौद्ध, जैन और श्रमण परम्पराएँ 2. पुरुषार्थ चतुष्टय : धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष 3. आत्मसातीकरण और आप्त वचन (निश्चयात्मक कथन) : महाकाव्यों और पौराणिक परम्पराओं में नैतिक मुद्दे

व्यावहारिक (प्रैक्टिकल)/अभ्यास घटक

- अपने इलाके में 10-15 घरों में भारतीय परंपराओं में नैतिकता और मूल्यों के सम्बन्ध में निम्न बिन्दुओं पर चर्चा करें :
  वैदिक परम्पराएँ
  पुरुषार्थ चतुष्टय
  बौद्ध, जैन और श्रमण परम्पराएँ
  जम्बूद्वीप; आर्यावर्त; भारत; इंडिया

- छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में उपलब्ध ई-संसाधनों का पता लगाना आवश्यक है।
- छात्रों को विषय से सम्बन्धित वृत्तचित्र और फिल्में देखना आवश्यक है।
- यदि आवश्यक हो तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा कर सकते हैं।
- छात्र 15 - 30 मिनट की ऑडियो-विज़ुअल प्रस्तुतियों के रूप में अपने अनुभव साझा कर सकते हैं।
- समय-समय पर निर्णयानुसार कोई अन्य प्रैक्टिकल/अभ्यास.

आवश्यक पाठ्य सामग्री :

Buietenen, J.A.B. Van, The Bhagwadgita in the Mahabharata : Text and Translation. Chicago : Chicago University Press, 1981. श्रीमद्भगवद्गीता, गीताप्रेस, गोरखपुर.

बाशम, ए॰एल॰; अद्भुत भारत; शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा.
दासगुप्त, एस॰ एन॰; भारतीय दर्शन का इतिहास, भाग-1-2; राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर.
Hiltebeital, Alf. Rethinking the Mahabharata: A Reader's Guide to the Education of the Dharma King. Chicago: Chicago University Press, 2001.
काणे, पाण्डुरंग वामन, धर्मशास्त्र का इतिहास, भाग-1, खण्ड-2; भाग-2 एवं भाग-3; उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ.
पाण्डेय, राजबली; भारतीय नीति का विकास; बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् , पटना.
Olivelle, Patric. King, Governance, and Law in Ancient India: Kautilya's Arthashastra. Oxford: Oxford University Press, 2013.
गौड़, रामदास; हिन्दुत्व; ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी.
पाण्डेय, राजबली; हिन्दू धर्म कोश; उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ.
आत्रेय, भीखनलाल; भारतीय नीति-शास्त्र का इतिहास; हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ.
Sharma, Arvind. 'On Hindu, Hindustan, Hinduism and Hindutva'. Numen, 49(1), 2002, p. 1-36.

Suggested Readings :

Olivelle, Patric. (text and trans.) Manu's Code of Law: A Critical Edition and Translation of the Manava-Dharmashastra. New Delhi: Oxford University Press, 2006.

Rocher, Ludo. 'The Concept of Boundaries in Classical India', in Peter Gaefkke and David

A. Utz (eds.), The Countries of South Asia: Boundries, Extensions, and Interrelations

Philadelphia: University of Pennsylvania, Department of South Asia Regional Studies (Proceedings of The South Asia Seminar, III, 1982-1983), 1988, p. 3-10.

Sukthankar, V.S., S.K. Belvalkar, and P.L. Vaidya(ed.). The Mahabharata. Poona: Bhandarkar Oriental Research Institute, 1933-66.

Tripathi, Radhavallabh, ed. India's Intellectual Traditions: A Revealed Through Sanskrit Sources. New Delhi: Sahitya Akademi, 2016.